भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1498
उत्तर देने की तारीख-09/02/2026

एआई आधारित अधिगम पहलों का कार्यान्वयन

†1498. **श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान टीएआरए (टेक्नोलॉजी-एडेड रीडिंग असेसमेंट) ऐप और माई करियर एडवाइजर ऐप सहित एआई आधारित डिजिटल अधिगम पहलों के कार्यान्वयन का ब्यौरा क्या है और इसमें शामिल किए गए छात्रों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या कितनी है;
(ख) वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान इन पहलों के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कुल कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई;
(ग) वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान टीएआरए ऐप और माई करियर एडवाइजर ऐप की तैनाती का ब्यौरा क्या है और ओडिशा राज्य सहित देश में लाभान्वित हुए स्कूलों, संस्थानों और छात्रों की संख्या कितनी है; और
(घ) क्या इन पहलों को ओडिशा के पिछड़े और ग्रामीण जिलों, विशेषकर बोलांगीर लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों तक विस्तारित किया गया है और यदि हां, तो इसमें कितनी कवरेज है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): तारा (टीचर्स' असिस्टेंट फॉर रीडिंग असेसमेंट) एक एआई संचालित उपकरण है, जो मौखिक पठन प्रवाह (ओआरएफ़) के आकलन हेतु विश्वसनीय और विस्तार योग्य डिजिटल समाधान विकसित और लागू करने के लिए बनाया गया है, जो मूल साक्षरता का एक महत्वपूर्ण घटक है। तारा ऐप ऑडियो सिग्नल विश्लेषण का उपयोग करके मौखिक पठन में शब्दों को सही ढंग से पहचानने की क्षमता, गति और अभिव्यक्ति से जुड़ी विशेषताओं को मापता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त पठन मूल्यांकन (तारा) ऐप, जो एक एआई-आधारित डिजिटल शिक्षण पहल है, के लिए भारतीय

प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान तारा ऐप को लागू किया है। केविसं की शैक्षणिक पहल के भाग के रूप में ओडिशा के पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्र तथा बोलांगीर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के केवी सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्थित केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों की हिंदी और अंग्रेज़ी में बुनियादी पठन कौशल का आकलन करने के लिए तारा ऐप का उपयोग किया जा रहा है। लागू की गई है, जिनमें अब तक, सभी 1289 केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा 3 से 8 तक के कुल 704210 छात्रों का मूल्यांकन तारा ऐप के माध्यम से किया गया है। इनमें से लगभग 34000 छात्रों का परीक्षण ओडिशा में किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, केवीएस ने मौखिक पठन मूल्यांकन (ओआरएफ़) को तारा ऐप के माध्यम से संचालन और विश्लेषण करने के लिए 2447048/- रूपए प्लस 18% जीएसटी का प्रावधान किया है।

माय करियर एडवाइज़र ऐप (एमसीए) एक एआई-सक्षम डिजिटल करियर मार्गदर्शन और परामर्श मंच है, जिसे 29 जुलाई 2025 को छात्रों को सूचित करियर निर्णय लेने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया। इस एप्लिकेशन को पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), भोपाल, एनसीईआरटी और वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से विकसित किया गया है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो समग्र, एकीकृत और भविष्य-उन्मुख शिक्षा पर बल देती है।

माय करियर एडवाइज़र ऐप पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 अक्टूबर 2025 को कौशल भवन, नई दिल्ली में पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), भोपाल द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अधिकारी,एससीईआरटी प्रतिनिधि, व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े कार्यकर्ता और अन्य प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, कार्यात्मक अभिमुखीकरण प्रदान करना और छात्रों के करियर मार्गदर्शन हेतु ऐप की एआई-सक्षम विशेषताओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करना था। व्यापक प्रसार और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, विशेषकर भारत के पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों के शैक्षणिक संस्थानों में, जिनमें ओडिशा के प्रतिभागी भी शामिल थे, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों (एससीईआरटी) से अनुरोध किया गया है कि वे इसी विषय पर राज्य-स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन करें। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य शिक्षकों, परामर्शदाताओं और अन्य हितधारकों को आवश्यक समझ और कौशल प्रदान करना है ताकि वे छात्रों का प्रभावी मार्गदर्शन कर सकें।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) संबलपुर में एआई बूटकैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें ओडिशा राज्य बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने वाले 30 छात्र और 04 शिक्षक शामिल हुए। इनमें शैक्षिक रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थी भी सम्मिलित थे। इस पहल का उद्देश्य सूचना की खाई को पाटना और वंचित क्षेत्रों के छात्रों के लिए एआई-आधारित करियर मार्गदर्शन उपकरणों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना था।

राज्य-स्तरीय प्रशिक्षण सत्र नौ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों गोवा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, तेलंगाना, गुजरात, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में आयोजित किए गए हैं। वर्तमान तिथि तक एमसीए प्लेटफ़ॉर्म पर 1.46 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, जो इस ऐप से लाभान्वित हो रहे हैं, जिसका विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

****

अनुलग्नक

'एआई-आधारित अधिगम पहलों का कार्यान्वयन' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव द्वारा दिनांक 09.02.2026 को पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1498 के भाग 'क' से 'घ' के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

माई करियर एडवाइजर (एमसीए) ऐप पर नामांकन का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

क्र. सं	राज्य	नामांकन	पैशन टैगिंग
1	पंजाब	44750	29881
2	चंडीगढ़	16345	10738
3	मध्य प्रदेश	9166	6295
4	राजस्थान	8477	5761
5	हिमाचल प्रदेश	8168	4258
6	उत्तर प्रदेश	6567	4715
7	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	5395	3454
8	गुजरात	5214	3239
9	हरियाणा	5169	3676
10	महाराष्ट्र	4849	3506
11	दिल्ली	4459	3213
12	छत्तीसगढ	3574	2177
13	आंध्र प्रदेश	3506	2132
14	तमिलनाडु	3017	2362
15	ओडिशा	2423	1275
16	तेलंगाना	2170	1601
17	कर्नाटक	1991	1642
18	असम	1467	952
19	बिहार	1425	1110
20	जम्मू और कश्मीर	1363	883
21	उत्तराखंड	1735	1195
22	त्रिपुरा	1002	654
23	पश्चिम बंगाल	749	581
24	केरल	737	561
25	झारखंड	612	474
26	पुदुचेरी	403	290

27	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	371	306
28	नागालैंड	254	190
29	अरुणाचल प्रदेश	247	203
30	गोवा	178	134
31	मणिपुर	126	81
32	मेघालय	68	44
33	सिक्किम	35	27
34	मिजोरम	24	16
35	लद्दाख	19	13
36	लक्षद्वीप	6	5
	कुल	**146061**	**97644**

*****